भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001

फ़ाइल् क्रमांक **F.No. :** टेक **10-6/2021** दिनांक **Date: 23.08.2021**

YouTube channel: https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxkAuSyQ
Facebook Page: https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553
Whatsapp & Telegram: IISR Soy Farmers

कृषकों से निवेदन है कि कृषि कार्य के संयोजन में स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार या स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करें .

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers

(23-29 अगस्त / 23-29 August 2021)

अ. सामान्य सलाह

1	सोयाबीन की शीघ्र पकनेवाली किस्में (जे.एस. 95-60, जे एस. 20-34 आदि) अभी फलियों में दाने भरने की स्थिति में हैं. इसमें सोयाबीन की फलिया टूटकर/कटकर गिरने के समाचार प्राप्त हुए है जो कि प्राथमिक तौर पर चूहें के आक्रमण से प्रतीत होता है. कृषकों को सलाह है कि चूहों के प्रबंधन हेतु बाजार में उपलब्ध विष-प्रलोभक (पाइजन बेट) जैसे बिस्कुट/केक आदि या जिंक फास्फाइड मिले आटे की गोलियों को खेत के मेड/ चूहों के बिल के पास रखें. Early maturing soybean varieties (JS 95-60, JS 20-34 etc.) are nearing seed filling stage. In order to protect from the damage caused by rats, farmers are advised to use poison bets like biscuits/cake or balls made from wheat/gram flour containing zinc phosphide near the rat burrows.	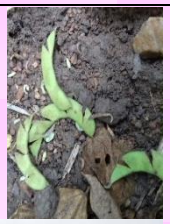
2	सोयाबीन फसल में फूल लगने की अवस्था में इल्लियों द्वारा फूलों के खाने से अफलन की स्थिति से बचाने हेतु सलाह है की लैम्ब्डा सायहलोथ्रिन 4.90 सी.एस. (300 मिली/हे.) या इन्डोक्साकार्ब 15.8 ई .सी. (333मिली/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35 एस.सी. (150 मिली/हे) या स्पायनेटोरम 11.7 एस.सी. 450 मि.ली. या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी (150 मिली/हे) का छिडकाव करें. Farmers are advised to spray the crop with Lambda-cyhalothrin 4.90 % CS (300 ml/ha) or Indoxacarb 15.8EC (333 ml/ha) or Flubendiamide 39.35 SC (150 ml/ha) or Spinetoram 11.7 SC (450 ml/ha) or Chlorantraniliprole 18.5 SC (150 ml/ha) in order to protect the soybean flowers from the defoliators which may otherwise lead to non-podding situation.	
3	कुछ क्षेत्रों में सोयाबीन की फ़सल में सफ़ेद सुंडी (वाइट ग्रब) का प्रकोप देखा गया है. उसके नियंत्रण हेतु सलाह है कि क्लोरपायरीफॉस (2.5% दानेदार) दवा को 16 कि.ग्रा./है. की दर से सोयाबीन की कतारों के बीच बिखेरें. White grub infestation in soybean has also been reported from some places. Farmers are advised to broadcast Chlorpyriphos (2.5% granular) @ 16 kg/ha in between the rows.	

4	सोयाबीन की फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है. Farmers are also advised to install bird perches at different locations which facilitate seating arrangement for predatory bird which feed on leaf eating caterpillars.	 "T" shaped Bird Perches
5	किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल लें जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो. While purchasing any Agri-input, always obtain a *pucca bill* from the shopkeeper showing batch number and expiry date of the product(s).	

ब. कीट/रोग प्रबंधन बाबत सम-सामायिक सलाह

6	चक्र भृंग के नियंत्रण हेतु थायक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. 750 मिली/हे या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी. (1250 मि.ली/.है) या इमामेक्टीन बेन्जोएट (425 मिली/ है.) का 500 लीटर पानी के साथ 1 हेक्टेयर में छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें. For control of girdle beetle alone, farmers are advised for destruction of affected plant part as well as spraying with Thiacloprid 21.7 S.C. (750 ml/ha) or Profenophos 50 E.C. (1.25 l/ha) or Emamectin Benzoate 1.9% E.C. (425 ml/ha) using 500 liter of water.	 Damage Symptoms of Girdle Beetle चक्र भृंग के लक्षण
7	चक्र भृंग तथा पत्ती खानेवाली इल्लियों के एक साथ नियंत्रण हेतु पूर्वमिश्रित कीटनाशक नोवाल्युरौन + इन्डोक्साकार्ब (850 मिली/है) या बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/है) या थायमिथोक्सम़ + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/.है) का छिडकाव करें. इनके छिडकाव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता हैं. For control of girdle beetle as well as defoliators simultaneously, farmers are advised to apply Spray of pre-mix insecticide Novaluron 5.25% + Indoxacarb 4.5% SC @ 850 ml/ha or Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) or Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). This is also useful in controlling the infestation of Stem Fly.	 Green Semilooper Tobacco Caterpillar Gram Pod Borer
8	जहाँ पर केवल चने की इल्ली (*हेलिकोवेर्पा अर्मिजेरा*) का प्रकोप हो, इसके नियंत्रण के लिए फेरोमोन ट्रैप (हेलील्युर) लगाये तथा अनुसंशित कीटनाशक लैम्ब्डा सायहलोथ्रिन 4.90 सी.एस. (300 मिली/हे.) या इन्डोक्साकार्ब 15.8 ई. सी. (333मिली/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35 एस.सी. (150 मिली/हे) या इमामेक्टीन बेन्जोएट (425 मिली/ है.) का छिडकाव करें. Farmers are advised to control the gram pod borer (*H. armigera*) using insect-specific pheromone trap (Helilure) and spraying of recommended chemicals like Lambda-cyhalothrin 4.90 % CS (300 ml/ha) or Indoxacarb 15.8EC (333 ml/ha) or Flubendiamide 39.35 SC (150 ml/ha) or Spinetoram 11.7 SC (450 ml/ha) or Emamectin Benzoate 1.9% E.C. (425 ml/ha).	

9	जिन क्षेत्रो में तना मक्खी का प्रकोप हो, इसके नियंत्रण हेतु पूर्वमिश्रित बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/है) या थायमिथोक्सम़ + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/.है) का छिडकाव करें. For control of stem fly farmers are advised to apply the spray of Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) or Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha).	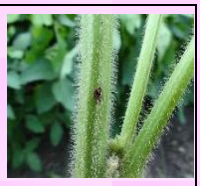

स. रोग प्रबंधन हेतु सम-सामायिक सलाह

10	कुछ क्षेत्रों की सोयाबीन फसल में एन्थ्राक्नोज तथा रायजोक्टोनिया एरियल ब्लाइट जैसे फफूंदजनित रोगों के लक्षण देखे गए हैं. इसके नियंत्रण हेतु सलाह हैं की टेबूकोनाजोल (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल+सल्फर (1 किग्रा/हे) या पायराक्लोस्ट्रोबीन 20 डब्लू.जी. (500 ग्राम/हे) या पायराक्लोस्ट्रोबीन + इपोक्सीकोनाजोल (750 मिली/हा) या फ्लुक्सापायरोक्साड + पायराक्लोस्ट्रोबीन (300 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल + ट्रायफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 350 ग्रा /हे का छिडकाव करें. An infestation of Anthracnose and Rhizoctonia Aerial Blight has been noted in certain areas. Farmers are advised to spray the crop with Tebuconazole (625 ml/ha) or Tebuconazole + Sulphur (1 kg/ha) or Pyraclostrobin 20 WG (500 g/ha) or Pyraclostrobin + Epoxiconaxole (750ml/ha) or Fluxapyroxad + Pyraclostrobin (300 ml/ha) or Tebuconazole + Trifloxystrobin (350 g/ha).	रायजोक्टोनिया एरियल ब्लाइट **Rhizoctonia Aerial Blight** एन्थ्राक्नोज **Anthracnoxse**
11	कुछ क्षेत्रों में सोयाबीन की फसल पर कही-कही पिला मोज़ेक वायरस या कही-कही सोयाबीन मोज़ेक वायरस के लक्षण देखे गए हैं. पिला मोज़ेक वायरस से ग्रसित पौधों में सोयाबीन की उपरी पत्तियों पर पीले रंग के चितकबरे पीले-हरे धब्बे बनते है। (छायाचित्र देखे)। पत्तियों का यह पीलापन धीरे-धीरे बढ़कर फैलने लगता है तथा पत्तियां सिकुड़ कर टेढ़ी-मेढ़ी हो जाती है। इसको अन्य स्वस्थ पौधों पर फ़ैलाने के लिए सफ़ेद मक्खी वाहक का कार्य करती हैं. जबकि सोयाबीन मोज़ेक वायरस में सोयाबीन की उपरी पट्टियां चमड़े के जैसी होकर गहरे हरे रंग में परावर्तित होती हैं (छायाचित्र देखे). इस बीमारी को अन्य स्वस्थ पौधों पर फ़ैलाने के लिए माहू (एफिड) वाहक का कार्य करते हैं.	पीला मोजाइक **Yellow Mosaic** सोयाबीन मोजाइक **Soybean Mosaic**
	Symptoms of Yellow Mosaic and/or Soybean Mosaic infection caused by virus has been seen in certain districts of Madhya Pradesh and Maharashtra. In case of YMV, small yellow patches or spots appear on young leaves initially. The yellow discoloration slowly increases and newly formed leaves may completely turn yellow. Infected leaves also show severe mottling and crinkling of leaves. While, In case of Soybean Mosaic the lettering of leaves blades become puckered along with veins and curled downward. The disease is further transmitted through Aphids. इन दोनों वायरस जनित रोगों के नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि प्रारंभिक अवस्था में ही ग्रसित पौधों को उखाड़कर तुरंत खेत से निष्काषित करें तथा सफ़ेद मक्खी व एफिड जैसे रस चूसने वाले इन वाहक कीटों के नियंत्रण हेतु अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं. यह भी सलाह हैं कि रोग-वाहकों की रोकथाम हेतु अनुशंसित पूर्वमिश्रित कीटनाशक	

	थायोमिथोक्सम+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे) का छिड़काव करें. (इन दवाओं के छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है) For control of YMV as well as SMV diseases, farmers are advised to destroy the infected plants immediately in the initial stage and install Yellow Sticky Traps at different locations in the field. It is also advised to spray the crop with Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) or Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha). These chemicals are also useful for control of stem fly infestation.

द. मौसम के पूर्वानुमान पर आधारित कीटों के प्रकोप की जिलेवार/क्षेत्रवार सूचना

अगले सप्ताह के लिए मौसम के पूर्वानुमान सम्बन्धी आंकड़ो एवं तदनुसार कीटों के प्रकोप के विश्लेषण के आधार पर सोयाबीन की खेती किये जाने वाले क्षेत्रों में निम्न कीड़ो का प्रकोप होने/अधिक बढ़ने की सम्भावना हैं. कृषकों से अनुरोध हैं की समुचित नियंत्रण के लिए यथासंभव उपाय अपनाये. Based on the expected weather situation, farmers of the following districts/area are hereby informed to take appropriate measures for management of following insects.

तम्बाकू इल्ली एकल / Spodoptera Solitary Larva	**मध्य प्रदेश /Madhya Pradesh**	बालाघाट/ Balaghat, भोपाल/Bhopal, दमोह/Damoh, धार/Dhar, होशंगाबाद /Hoshangabad, इंदौर/ Indore, मंडला/Mandla, रायसेन/Raisen, रतलाम/Ratlam, सागर/Sagar, शाजापुर/ शाजापुर और उज्जैन/Ujjain.
	महाराष्ट्र /Maharashtra	रायगढ़/raigarh, रत्नागिरी/रत्नागिरी
अर्ध कुंडलक इल्ली / Semilooper	**कर्नाटक/ Karnataka**	बेलगाम/Belgaum, चित्रदुर्गा/Chitradurga, दक्षिण कन्नड़/Dakshin Kannada, धारवाड़/Dharwad और उत्तर कन्नड़/Uttar Kannada
	मध्य प्रदेश /Madhya Pradesh	बालाघाट/Balaghat, बेतुल/Betul, भोपाल/Bhopal, छतरपुर/Chhatarpur, छिंदवाडा / Chhindwara, दमोह/Damoh, धार/Dhar, गुना/Guna, होशंगाबाद /Hoshangabad, इंदौर / Indore, जबलपुर/Jabalpur, मंडला/Mandla, रायसेन/Raisen, राजगढ़/Rajgarh, रीवा /Rewa, सतना/Satna, शाजापुर/ Shajapur, श्योपुर/Shyoupr, सीधी /Sidhi, और टीकमगढ़/Tikamgarh.
	महाराष्ट्र /Maharashtra	कोल्हापुर/Kolhapur, और रत्नागिरी/Ratnagiri.
	राजस्थान /Rajasthan	भरतपुर/bharatpur,चित्तौरगढ़/Chittaurgarh और सवाई माधोपुर/Sawai Madhopur
चना इल्ली / *Helicoverpa armigera*	**मध्य प्रदेश/ Madhya Pradesh**	भोपाल /Bhopal
चक्रभृंग / Girdle Beetle	**कर्नाटक/ Karnataka**	उत्तर कन्नड़ /Uttar Kannad,
	मध्य प्रदेश /Madhya Pradesh	छतरपुर/Chhatarpur, दमोह/Damoh, दतिया/Datia, धार/Dhar, ग्वालियर/Gwalior, होशंगाबाद/Hoshangabad, इंदौर/Indore, रतलाम/Ratlam, सागर/Sagar, सतना/Tikamgarh, उज्जैन/Ujjain और उमरिया/Umaria.
	महाराष्ट्र /Maharashtra	रायगढ़/Raigarh और रत्नागिरी/Ratnagiri
	राजस्थान /Rajasthan	चित्तोरगढ़/Chittaurgarh, झुंझुनू/Jhunjhunu, कोटा/Kota और सवाई माधोपुर/Sawai Madhopur.
	आंध्र प्रदेश/Andhra Pradesh	कडापा/Kadapa और चित्तूर/Chittoor

कृपया हमारे youtube चैनल पर सम्बंधित वीडियोज देखे एवं लाइक करे.

1	**सोयाबीन के पौधे पीले क्यों पड़ जाते हैं? https://www.youtube.com/watch?v=3lkUsflu8UE&t=48s**
2	**फूलने की अवस्था में चने की इल्ली से कैसे बचाए. https://www.youtube.com/watch?v=r2zbJ4ECpDo&t=31s**
3	**कीट चक्र भृंग का नियंत्रण कैसे करे? https://www.youtube.com/watch?v=w2lIBt-_ypM&t=9s**
4	**फफुन्द्जनित रोगों का नियंत्रण. https://www.youtube.com/watch?v=UeT5bPeqGWc&t=72s**
5	**पत्तीया खाने वाली इल्लियों का नियंत्रण https://www.youtube.com/watch?v=cYqVzYQ-Dog&t=23s**
6	**सोयाबीन में तना मक्खी का प्रबंधन https://www.youtube.com/watch?v=Qh2FiVEaiDo&t=118s**
7	**पीला मोजेक एवं सोयाबीन मोज़ेक रोग का नियंत्रण https://www.youtube.com/watch?v=Q1y1fAnEIOg&t=6s**

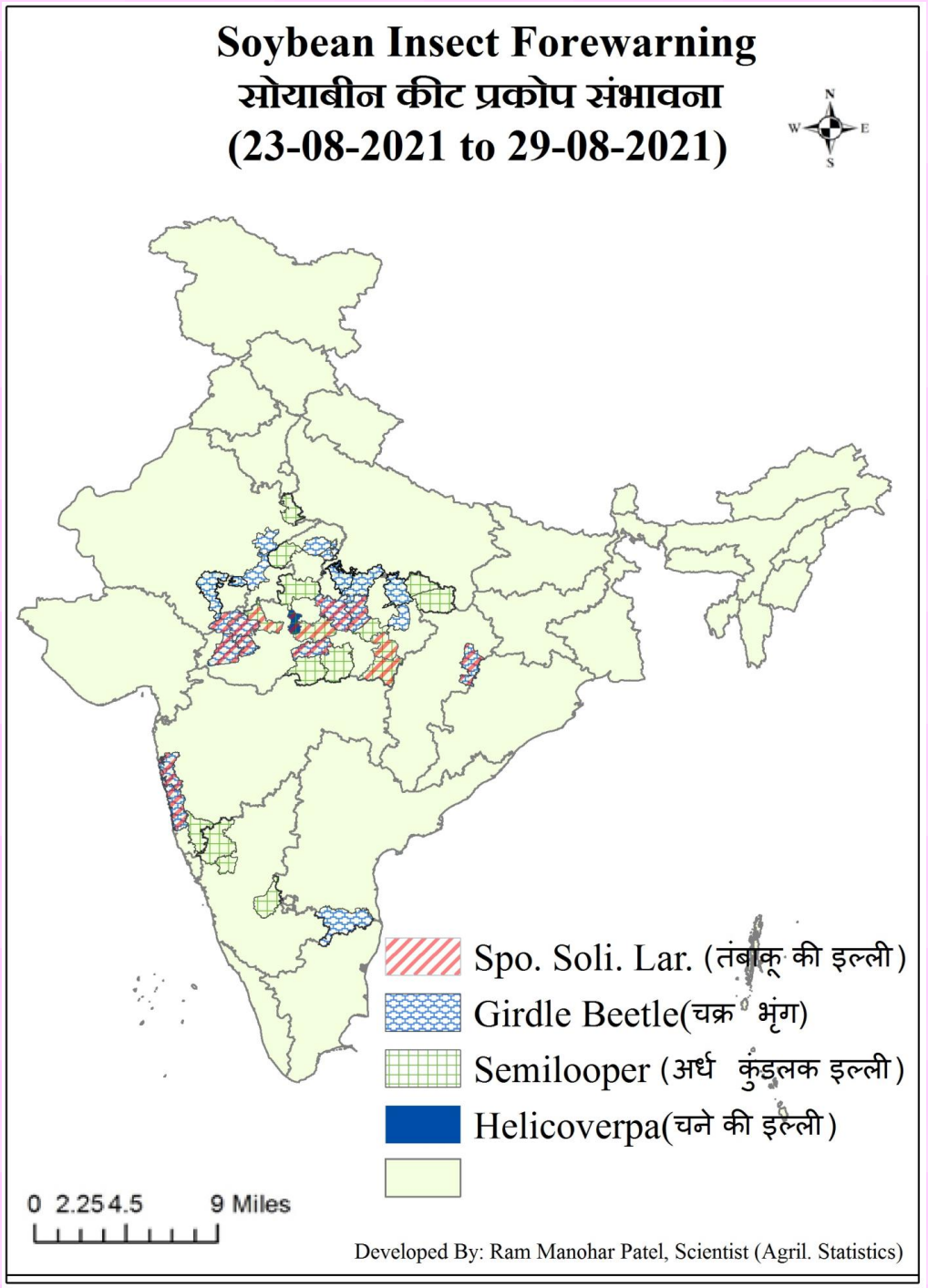

कृपया हमारे YouTube चैनल को लाइक व् सबस्क्राइब करे

https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxkAuSyQ

Facebook Page: https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553

****